



(Certified under NABH's SHCO Category)
उदयपुर शाखा / जयपुर शाखा

21⁺

वर्षों से अधिक का भरोसा

- > अत्याधुनिक तकनीकें व उपचार
- > उच्चतम सफलता दर
- > अब तक सैकड़ों निःसंतान दम्पत्ति लाभान्वित



A unit of NFWCHPL

नीलकण्ठ आई.वी.एफ.

फटिलिटी एण्ड टेस्ट ट्यूब बेबी

निःसंतानता व टेस्ट ट्यूब बेबी केन्द्र

SCAN HERE

अधिक जानकारी के लिए हमारे



चैनल को सब्सक्राइब करें।





नीलकण्ठ आई.वी.एफ.

“मातृत्व का सपना करें साकार”



“झीलों की नगरी” उदयपुर में 21 वर्ष पूर्व नीलकंठ आई.वी.एफ. की स्थापना की गई हमारा उद्देश्य और प्राथमिकता है कि प्रदेश के निःसंतान दंपत्ति के लिये उचित मूल्य पर विश्वस्तरीय आई.वी.एफ. तकनीक से उपचार उपलब्ध हो सकें।

अधिक जानकारी के लिए आप हमारे पेज को फॉलो कर सकते हैं:



अधिक जानकारी के लिए आप हमारे पेज को फॉलो कर सकते हैं:



» विशेषज्ञ टीम

हम निःसंतान दम्पतियों के दृःख और उनकी भावनात्मक स्थिति को समझते हैं। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक दम्पति सफलतापूर्वक गर्भधारण करें और हर दम्पति को विश्वस्तरीय सुविधाएं कम खर्च में उपलब्ध हों।

हमारा ध्येय है कि निःसंतानता के इलाज के क्षेत्र में हम अपना सर्वोत्तम प्रयास करें जिसके लिये हम चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान जारी रखने के लिये प्रतिबद्ध हैं व हमेशा हम उत्कृष्टता का प्रयास करते रहेंगे। हमारी टीम पूरी कोशिश करेगी कि आपके घर में खुशी की किलकाटी गूंजे। यह हमारा वादा है।



डॉ. आशीष सूद
(सार्फिनिक डायरेक्टर)



वात्सल्य की आस में आज भारत में 20-25 प्रतिशत दम्पति तरस रहे हैं। निःसंतानता की समस्या बढ़ने का मुख्य कारण, तनावपूर्ण लाईफस्टाईल, खाद्य पदार्थों में अनियन्त्रित मिलावट व दवाइयों का उपयोग माना जा रहा है। इस वजह से अधिकांश महिलाओं में, कम उम्र में ही माहवारी का बन्द होना, अण्ड उत्सर्जन होने जैसी समस्या आने लगी हैं व पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी देखने को मिल रही है। इस स्थिति को गम्भीरता से देखते हुए आम

जन में जागरूकता लाने की आवश्यकता है, जिससे कम उम्र में ही, निःसंतानता विशेषज्ञ की सलाह ले ली जाए तो व्यर्थ ही पैसा व समय बर्बाद न हो।

निःसंतानता के इलाज को चिकित्सकों द्वारा जटिल एवं हव्वा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिसके परिणामस्वरूप, इलाज के लिये परेशान दम्पति इतने हताश हो जाते हैं कि उन्हें किसी भी तरह के इलाज पर भरोसा दिलाना हमारी पहली चुनौती बन जाती हैं। हमारे संस्थान पर उपलब्ध नवीनतम एम्ब्रियो मॉनिट्रिंग सिस्टम व मॉड्यूलर क्लोज़ वर्किंग लैब की मदद से आज अधिकांश दम्पति लाभान्वित हो रहे हैं। यदि टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक, आई.वी.एफ.-इक्सी, भ्रूण बैंक, शुक्राणु बैंक व अण्डदान जैसी, सुविधाओं का भरपूर इस्तेमाल किया जाये तो दुनिया में कोई भी दम्पति संतान का सुख पाने से वंचित नहीं रहेगा।

डॉ. सिमी सूद
(डायरेक्टर व वरिष्ठ निःसंतानता विशेषज्ञ)

▼ ਵਿਥੋ਷ਜ਼ ਟੀਮ



ਡ੉. ਆਸ਼ਿਸ ਸੂਦ
(ਸਾਈਨਿਫਿਕ ਡਾਯੋਕਟਰ)



ਡ੉. ਸਿਮੀ ਸੂਦ
(ਡਾਯੋਕਟਰ ਵਰਿਛ ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਪਾਣੇ ਜਯੋਤਿ ਸਚਿਤਾਨਨਦ
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਏਵਾਂ ਸ਼ਤੀ ਰੋਗ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਪ੍ਰੀਤੀ ਪਾਲੀਵਾਲ (ਕੋਟਾ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਅਲਕਾ ਬਾਟਲਾ (ਕੋਟਾ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਇੰਥਾ ਗੰਭੀਰ (ਜਯਪੁਰ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਹਿਆ ਅਗਰਵਾਲ (ਜੋਧਪੁਰ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਤਮਸ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਚਹਲਾਣ (ਅਜਮੇਰ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਰਮਾ ਗਾਰਾ (ਅਜਮੇਰ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਯੁਕਤੀ ਗੌਡ (ਉਦਾਹਪੁਰ)
(ਨਿ:ਸਾਂਤਾਨਤਾ ਏਵਾਂ ਸ਼ਤੀ ਰੋਗ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਕਪਿਲ ਸ਼ਾਰਦਾ
(ਲੇਪ੍ਰਾਕਾਂਪਿਕ ਸ਼ਰਜਨ)



ਡ੉. ਨੀਲਮ ਕੌਰਮਾਡੇ
(ਸਿਥ੍ਰ ਰੋਗ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਸੁਨੀਲ ਜਾਂਗਿਡ
(ਸਿਥ੍ਰ ਰੋਗ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



ਡ੉. ਦੀਪਕ ਸ਼ਾਹ
(ਨਿਸ਼ੇਤਨਾ ਵਿਥੋ਷ਜ਼)



डॉ. संतोष एलानी (जयपुर)
(निश्चितना विशेषज्ञ)



डॉ. हरि राम
(ऐडियोलॉजी विशेषज्ञ)



भूपेन्द्र सिंह
(टी. एम्ब्रियोलॉजिस्ट)



राहुल सेन
(सी. एम्ब्रियोलॉजिस्ट)



मोहित सोमपुरा
(एम्ब्रियोलॉजिस्ट)



दिव्यांग प्रजापत
(एम्ब्रियोलॉजिस्ट)



पूजा सिंह
(एम्ब्रियोलॉजिस्ट)

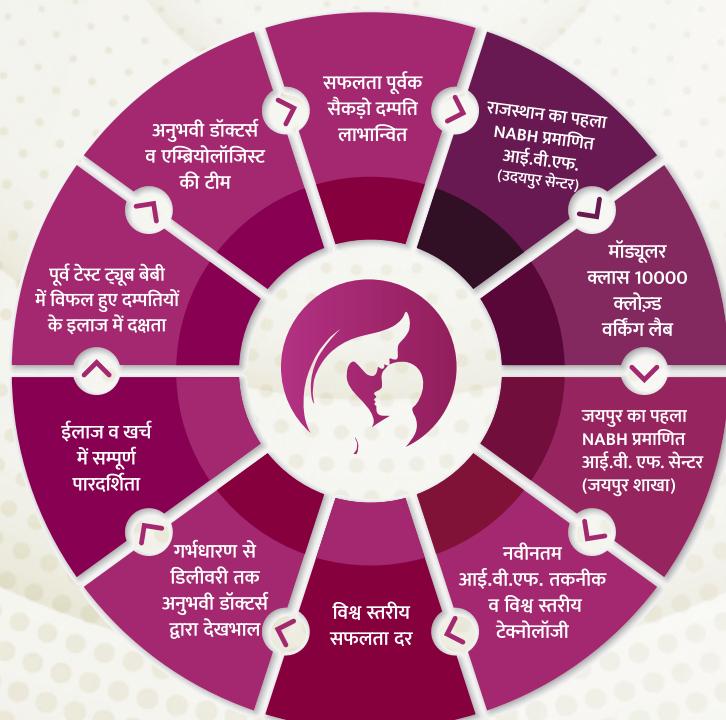


कल्पना मंजरी पाण्डा
(एम्ब्रियोलॉजिस्ट)



मंजू सैनी
(एम्ब्रियोलॉजिस्ट)

»आई.वी.एफ. प्रक्रिया में बार-बार विफलता किसे चुनें, कहाँ जाएँ ?



» आई.वी.एफ.

अव्यफल होने के पीछे कारण क्या हो अकते हैं?

आई.वी.एफ प्रक्रिया की सफलता दर विश्व भर में 100 प्रतिशत नहीं है जिसके कारण कुछ दम्पती को आई.वी.एफ उपचार में निराशा हाथ लगती है। क्या इसका ये मतलब है कि उन दम्पतीयों के लिए आगे सारे चार्टे बंद हो गए? कहाँपि नहीं! आई.वी.एफ प्रक्रिया की सफलता दर काफी पैमानों पर निर्भर करती है और उनमें से सबसे पहला और अहम है आई.वी.एफ सेन्टर का चुनाव क्योंकि हर आई.वी.एफ सेन्टर की सफलता दर एक जैसी नहीं होती। आई.वी.एफ की सफलता दर पत्नी के अण्डे, पुरुष के शुक्राणु और उनसे बने भूण की गुणवत्ता पर भी निर्भर करती है। गर्भाशय व उत्तरके अंदर की परत एंडोमेट्रियम का भी अच्छा व खवस्थ होना आवश्यक है क्योंकि भूण को उसी परत पर चिपकना होता है। आई.वी.एफ की सफलता फर्टिलिटी डॉक्टर की कुशलता पर भी निर्भर करती है, क्योंकि किस दम्पती के लिए कौनसी आई.वी.एफ प्रक्रिया का चयन करना है और उस प्रक्रिया को कैसे कुशलतापूर्ण निभाना है वह भी डॉक्टर पर निर्भर करता है। एम्बियोलॉजी लैब जहां भूण का निर्माण होता है तथा भूण वैज्ञानिक जो अण्डे व शुक्राणु को मिलाने में मदद करता है अथवा इनक्यूबेटर जिसमें भूण का विकास होता है यह सब भी आई.वी.एफ की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं। एक अच्छी एम्बियोलॉजी लैब जो अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हो व एक कुशल भूण वैज्ञानिक की देखरेख में संचालित हो इस पर भी कई हृद तक आई.वी.एफ की सफलता निर्भर करती है। किसी भी दम्पती को आई.वी.एफ सेन्टर का चुनाव बहुत सोच समझकर करना चाहिए क्योंकि जहां ज्यादा सुविधाएं हैं वहां ज्यादा संभावनाएं हैं।

» नीलकण्ठ ली क्यों चुनें?

हमारे संस्थान में गर्भधारण से लेकर डिलीवरी तक की सम्पूर्ण देखभाल अति उत्तम वातावरण में की जाती है। टेस्ट ट्र्यूब बेबी ईलाज द्वारा गर्भधारण की गई महिला को विशेष देखभाल की जरूरत होती है, जो कि अनुभवी निःसंतानता विशेषज्ञ की देखरेख में होनी चाहिए। इससे गर्भपात के प्रतिशत को काफी कम किया जा सकता है। हमारे संस्थान में गर्भवती महिला की देखभाल निःसंतानता विशेषज्ञ, स्त्री व प्रसुति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है जो किसी भी आपातकालीन स्थिति में निपटने में सक्षम है। टेस्ट ट्र्यूब बेबी ईलाज में भूण विशेषज्ञ (एम्बियोलॉजिस्ट) का सफलता की दर में विशेष महत्व होता है। हमारे संस्थान में अनुभवी एम्बियोलॉजिस्ट 24X7 उपलब्ध रहते हैं। ये संस्थान अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के दिशा निर्देशों के अनुसार बनाया गया है।

पुरुष निःसंतानता

पुरुष निःसंतानता के कारण आमतौर पर नहीं पहचाने जाते हैं। फिर भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जिन्हें संभावित कारणों के तौर पर लिया जाता है, जो संभावित कारणों की ओर इशारा कर सकती है। जैसे-

1. शुक्राणुओं की उत्पत्ति दोष
2. पुरुषों के प्रजनन अंगों की संरचना में दोष
3. Premature Ejaculation (शीघ्रपतन)
4. Ejaculatory Dysfunction (प्रतिगामी स्खलन)
5. Desire Problems / Low Libido (Sex के प्रति अरुचि)
6. प्रतिरोधक क्षमता में कमी
7. अनुवांशिक दोष
8. दंजेक्षण व वृषण में होने वाले आघात
9. हार्मोन संबंधित विकार
10. रेडियेशन के संपर्क में आना या पूर्व में गलत तरीके से किए गये उपचार

उपलब्ध उपचार

IVF ICSI (आई.वी.एसी-इक्सी)

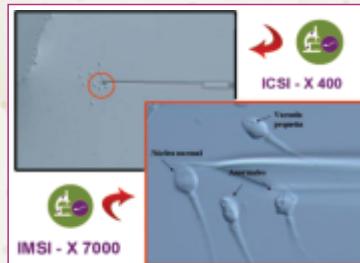
Intra Cytoplasmic Sperm Injection

यह तकनीक उन निःसंतान दम्पतियों के लिए उपयोगी है, जिन पुरुषों के वीर्य में शुक्राणुओं की मात्रा कम या कमज़ोर होती है। इस प्रक्रिया में एक परिपक्व शुक्राणु का चयन कर एक अण्डाणु में सुरु द्वारा निषेचन करा कर भूष्ण तैयार किया जाता है।



» IMSI-RI-UK (इम्सी)

Intracytoplasmic Morphologically Selected Sperm Injection

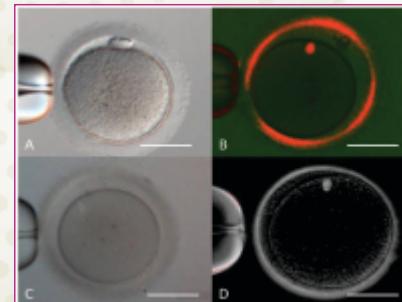


यह तकनीक शुक्राणुओं को अधिक विस्तार से जांचने में सहायक है। इस तकनीक द्वारा शुक्राणुओं की संरचना को हाई पावर माइक्रोस्कोप की मदद से 7000 गुना बढ़ा कर के अध्ययन किया जाता है। यह ICSI का एक उनन्त संरक्षण है व इस पद्धति के उपयोग से हम ICSI द्वारा सफलता की दर को बढ़ा सकते हैं एवं गर्भपाता की दर में कमी लाई जा सकती है।

» O.S.V. (ऊसाईट - स्पिंडल व्यू)

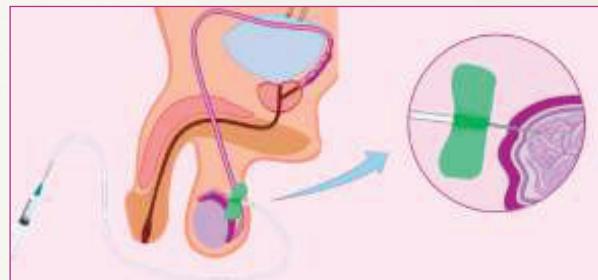
Oosight Spindle View

इस तकनीक में इक्सी के दौरान जब शुक्राणु को अण्डे में प्रवेश कराया जाता है, तो ध्वनीकृत प्रकाश की मदद से अण्डे की आनुवांशिक सामग्री (Spindle Fibre) के लोकेशन का पता कर, प्रवेश कराने की जगह को निर्धारित किया जाता है। जिससे इक्सी Needle से Spindle Fibre को Damage होने से बचाया जा सके। परिपक्व व रवरथ भूष्ण का निर्माण किया जा सके एवं इक्सी की सफलता दर को बढ़ाया जा सके।



► PESA (पीसा) Percutaneous Epididymal Sperm Aspiration

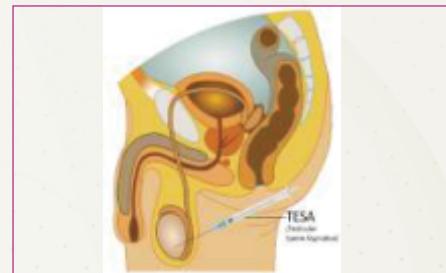
यह प्रक्रिया उन मरीजों के लिये उपयोगी है जिन्होंने पूर्व में नसबन्दी करवा रखी हो या किसी अन्य कारण से शुक्राणु के निर्माण में रुकावट उत्पन्न हो रही हो। इस प्रक्रिया में सुई को अधिवृष्ण (Epididymis) में प्रवेश करवा कर उनमें से शुक्राणु प्राप्त किये जाते हैं फिर इन्हे अण्डों के साथ निषेचित कर स्त्री के गर्भाशय में रखापित करते हैं।



► TESA (टीसा) Testicular Sperm Aspiration/

TESE (टीसी) Testicular Sperm Extraction

यह प्रक्रिया उन पुरुषों में उपयोगी होती है जिनके वीर्य की जाँच में निल शुक्राणु होते हैं। इसमें अण्डकोष या वृषण से सुई की सहायता से तरल पदार्थ लिया जाता अथवा अण्डकोष से एक छोटा सा टुकड़ा (बायोप्सी) लिया जाता है और उनमें से शुक्राणु प्राप्त कर अण्डे के साथ निषेचन कराया जाता है।



► IUI (कृत्रिम गर्भाधान) Intra Uterine Insemination

जिन दम्पतियों में गर्भ पुरुष के कारण नहीं ठहर रहा हो, उनमें इस तकनीक द्वारा अच्छे व गतिशील शुक्राणुओं को Sperm Washing तकनीक के द्वारा अलग कर गर्भाशय में डालते हैं इसे कृत्रिम गर्भाधान या IUI कहते हैं। ये दोनों प्रकार से हो सकती हैं। पति के वीर्य के द्वारा (Husband Sperm) व शुक्राणु बैंक द्वारा (Donor Sperm)।



► Sperm Bank (सर्पर्म बैंक)

नसबंदी करने से पूर्व या किसी गम्भीर बीमारी जैसे कैंसर के इलाज से पूर्व शुक्राणु बैंक में शुक्राणु को सुरक्षित रख सकते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर आपके काम आ सके। इस तकनीक द्वारा शुक्राणु को Liquid नाइट्रोजन (-196°C) में कई वर्षों तक फ्रीज करके सुरक्षित रखा जा सकता है।



कमजोरी या अधिक उम्र के कारण ऐसे कई व्यक्ति हैं जो समय पर शुक्राणु नहीं दे पाते हैं, ऐसे व्यक्ति भी बैंक में अपने शुक्राणु सुरक्षित करा सकते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर उनके फ्रीज़ किए हुए शुक्राणु काम आ सके। जिन व्यक्तियों के वीर्य में शुक्राणु बिलकुल नहीं है तथा इलाज कराने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ है, ऐसे व्यक्ति बैंक से शुक्राणु ले सकते हैं।

महिला निःसंतानता

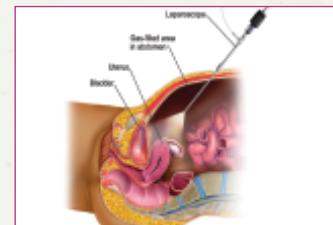
► महिलाओं में निःसंतानता के मुख्य कारण

- वह महिलाएं जिनकी उम्र अधिक हो गई हो और माहवारी बंद हो गई हो।
- वह महिलाएं जिनमें अण्डे बनते हैं लेकिन आगे विकसित नहीं होते या समय पर नहीं फूटते।(पॉली सिस्टिक ओवेरी, PCOD)
- वह महिलाएं जिनकी द्र्यूब (नलीयां) बंद हो या अन्य कोई खराबी हो गई हो।
- अनियमित मासिक धर्म होना व अण्डों का कम बनना।
- गर्भाशय में विकार, जैसे कि गठान (Fibroid), बच्चेदानी में शिल्ली (Septum), बच्चेदानी दो भागों में विभाजित (Bicornuate Uterus)।
- टी.बी. के कारण गर्भाशय कि शिल्ली का खराब होना।
- जिन महिलाओं में आरम्भ से ही महावारी नहीं आई हो।
- निरन्तर रुक़तः गर्भपाता।

उपलब्ध उपचार

डायग्नोस्टिक व ऑपरेटिव लेप्रोस्कोपी

- दूरबीन द्वारा नलीयों की जाँच
- बंद द्र्यूब खोलने का ऑपरेशन
- दूरबीन द्वारा आवेनियन ड्रिलिंग
- एण्डोमेट्रियोसिस की बीमारी का ईलाज
- अण्डेदानी की गांठ
- गर्भाशय में बड़ी से बड़ी गांठ का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन।



डायग्नोस्टिक व ऑपरेटिव हिस्ट्रोस्कोपी

- गर्भाशय में पर्दा/मध्य में दिवार का ऑपरेशन।
- गर्भाशय की गठान का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन।
- गर्भाशय की परत का खराब होना या सिक्कड़ जाना।



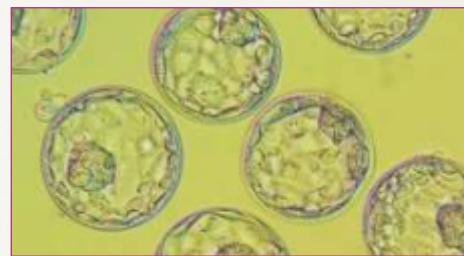
► IVF आई.वी.एफ. (In Vitro Fertilization)

इसे टेस्ट द्र्यूब बेबी तकनीक भी कहा जाता है। इस पद्धति में अण्डे और शुक्राणु का निषेचन शारीर के बाहर किया जाता है। भूषण का विकास 3 से 5 दिन तक शारीर के बाहर गर्भाशय जैसे वातावरण में किया जाता है। बाद में विकसित हुए भूषण में से अच्छे भूषण को गर्भाशय में स्थापित किया जाता है। पहली बार ये प्रक्रिया टेस्ट द्र्यूब में की गई थी, इसलिए इस पद्धति को टेस्ट द्र्यूब बेबी पद्धति कहते हैं।

टेस्ट द्र्यूब बेबी की विशेषताएँ - अण्डे व शुक्राणुओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निषेचन हुआ या नहीं एवं भूषण कितने हैं उसकी जानकारी प्राप्त हो सकती है। भूषण को उसके उचित स्थान पर स्थापित किया जा सकता है। यदि अतिरिक्त भूषण बने तो, उन्हें भूषण बैक में सुरक्षित भी रखा जा सकता है।

► लार्टोसिस्ट कल्चर तकनीक

लार्टोसिस्ट प्रक्रिया 5वें दिन तक भूषण विकसित करने की तकनीक है। लार्टोसिस्ट कल्चर का उपयोग उन दम्पति के लिए उपयोगी है जिनके टेस्ट ट्यूब बेबी ईलाज के 2 से अधिक IVF उपचार में असफलता प्राप्त हुई है।



► लेज़र असिस्टेड हैचिंग

वह दम्पति जिनके IVF/ICSI असफल हो चुके हैं उनमें इस तकनीक द्वारा सफलता की सम्भावना को बढ़ाया जा सकता है। इस तकनीक में भूषण की बाहरी परत को लेज़र की सहायता से हैच किया जाता है। ताकि गर्भ के ठहरने की सम्भावना बढ़ सके। यह सख्त ज़ोना पेलुसीडा के एक हिस्से को कमज़ोर करने का एक सौन्य और सुरक्षित तरीका है। यह नवीनतम तकनीक हमारे सेन्टर पर उपलब्ध है।



► विट्रिफिकेशन

प्रायः PCOD से ग्रस्त महिलाओं व कम उम्र की युवतियाँ जिनमें IVF तकनीक के अन्तर्गत अनेकों भूषण का निर्माण हो जाता है। विट्रिफिकेशन तकनीक द्वारा अतिरिक्त भूषणों को (-196°C) डिग्री सेन्टिसियस पर कई वर्षों के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है। इसकी मदद से मरीज को बार बार अण्डे बनाने की कठिन प्रक्रिया से नहीं गुज़रना पड़ता व विट्रिफाई करे गए भूषणों का इच्छेमाल आगे होने वाले उपचार में किया जा सकता है।



► भूषण बैंक

इसमें भूषण को एकत्रित करके Liquid Nitrogen (-196°C) में सुरक्षित रखते हैं। जिसमें IVF उपचार के दौरान बने भूषणों को भूषण बैंक में कई वर्षों के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है।



► PRP Therapy क्या है ?

इसमें मरीज के शरीर से रक्त निकाल कर उसमें से प्लेटलेट्स दिये पदार्थ अलग किया जाता है। फिर उसे IVF चक्र के दौरान भूमि स्थानान्तरण से पहले गर्भाशय में डाला जाता है।



गर्भाशय के किन विकारों में PRP उपयोगी है?

- जिनकी गर्भाशय की परत टी.बी. या अन्य संक्रमण से खराब हो गई है।
- जिनकी गर्भाशय की परत चिपक गई है।
- दवाईयां लेने के बावजूद जिनकी झिल्ली की मोटाई 5 दमाएँ से कम रहती है।
- जिन मरीजों के बार बार आईवीएफ विफल हो रहा है।
- जिन मरीजों में माहवारी बंद हुये 10 साल से ज्यादा हो चुके हैं।
- जिन मरीजों को सरोगेसी की सलाह दी गई है।



अत्याधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय उपकरणों से सुसज्जित मॉडर्न ब्लॉक वर्किंग लैब



» भारत की सर्वोत्तम लैब में से एक

ZAND AIR PCOC-3 (भारत में प्रथम) (Photocatalytic Oxidation Chamber)

फोटो - कैरेलिटिक ऑक्सीडाइजिंग तकनीक द्वारा हवा में उपलब्ध VOC गंधको, धुएं और विषाक रसायनों को बोअस्सर कर देता है। टेस्ट ट्यूब बेबी की सफलता लैब की हवा व वातावरण की शुद्धता पर निर्भर करता है। PCOC-3 टेस्ट ट्यूब बेबी लैब की हवा को शुद्ध कर भूष के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है जिससे सफलता की दर बढ़ जाती है।



मॉइयूलर ब्लॉज वर्किंग लैब व्हास - 10000

हमारे संस्थान की ब्लॉज वर्किंग मॉइयूलर लैब अंतर्राष्ट्रीय व यूरोपियन मानकों के अनुसार बनाई गई है। इस लैब में टेस्ट ट्यूब बेबी पच्चति द्वारा सफलता की दर अन्य लैब की तुलना में काफी अधिक रहती है। इसमें तैयार किये गये भूष को वही वातावरण उपलब्ध होता है जो कि पूर्णतया उसके विकास के लिये अनुकूल होता है।



सामान्यतः मरीज को टेस्ट ट्यूब बेबी प्रक्रिया को 3-4 बार करने की आवश्यकता पड़ सकती है परन्तु ब्लॉज वर्किंग मॉइयूलर लैब की मदद से प्रथम चक्र में ही गर्भधारण करने की प्रबल संभावना रहती है। हमारे संस्थान की सफलता की दर अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के समान है। जिसके फलस्वरूप यहाँ पर यू.एस.ए., आर्ट्रोलिया, कुवेत, थाईलैण्ड, दुबई, नेपाल व अन्य देशों से कई दम्पति ईलाज द्वारा लाभान्वित हो रहे हैं।

टाईम लैप्स एम्बियो मॉनिटरिंग सिस्टम

टाईम लैप्स एम्बियो मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा निःसंतानता विशेषज्ञ को भूष के विकास की जानकारी सिस्टम में लगे माइक्रो कैमरों द्वारा हो जाती है। इस तकनीक से मशीन में लगे कैमरों द्वारा भूष पर 24 घंटे निगरानी रखी जाती है, और रक्तस्थ व सर्वोत्तम भूष का चयन कर गर्भाशय में स्थापित किया जाता है। निःसंतान दम्पति जो पहले भी असफल रह चुके हैं, वह एम्बियो मॉनिटरिंग सिस्टम व अनुभवी डॉक्टर्स की टीम द्वारा कम खर्च में संतान सुख प्राप्त कर सकते हैं।



विशेषताएँ

1. इसमें एम्बियोलॉजिस्ट द्वारा भूष पर 24 घंटे निगरानी की जाती है।
2. इस तकनीक में माइक्रो कैमरे द्वारा हर भूष का 20 मिनट के अन्तराल में फोटो लिया जाता है जिसके भूष के विकास की सही जानकारी प्राप्त हो जाती है।
3. अधिक एम्बियो बनने पर उनमें से सर्वोत्तम भूष का चयन कर उसे गर्भाशय में प्रतिरक्षापित किया जाता है।
4. सामान्य आँखों से देखने पर भूष की शारीरिक संरचना उसकी वृद्धि का पता नहीं चल पाता जो कि एम्बियो मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा संभव है।
5. इसमें भूष को वही वातावरण उपलब्ध होता है जो उसके विकास के लिए अनुकूल है।

► उपलब्धियाँ

- अब तक निःसंतानता के उपचार के बाद सैकड़ों बच्चों का जन्म।
- दक्षिण राजस्थान का प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी देने वाला संस्थान।
- दक्षिण राजस्थान में एम्बियो बैंक द्वारा प्रथम बच्चे का जन्म।
- दक्षिण राजस्थान का प्रथम विट्रिफिकेशन द्वारा टेस्ट ट्यूब बेबी।
- इन विद्रो मेच्यूरेशन पद्धति द्वारा दक्षिण राजस्थान में प्रथम बच्चे का जन्म।
- सबसे ज्यादा IVF प्रेग्नेंसी देने वाला दक्षिण राजस्थान का संस्थान।
- अब तक सैकड़ों लेप्रोस्कोपी व हिस्ट्रोस्कोपी द्वारा निःसंतानता की समस्या का निदान।
- राजस्थान का पहला NABH प्रमाणित IVF सेन्टर (उदयपुर शाखा)



2013 में नीलकण्ठ हॉस्पिटल ने IVF तकनीक से जन्मे बच्चों के साथ स्थापना दिवस मनाया।



25 July विश्व IVF दिवस पर नीलकण्ठ द्वारा ईलाज से जन्मे भारत के सभी प्रदेशों से आए टेस्ट ट्यूब बच्चे।



MY FM EXCELLENCE AWARD 2019



HEALTHCARE ACHIEVER'S AWARD 2019



► आपके निःसंतानता से सम्बन्धित
कुछ महत्वपूर्ण प्र०१न
(उत्तर जानने के लिए QR Code स्कैन करें)

1. जर्मधारण नहीं हो रहा है तो कोनसे चेकअप कराये ?



2. कपल्स को इनफटिलिटी विथेषज्ज से सलाह कब लेनी चाहये ?



3. निःसंतानता के लिए क्या-क्या उपचार उपलब्ध है ?



4. क्या होते हैं पुळष निःसंतानता के कारण ?



5. पुळष निःसंतानता की जांच और उसका इलाज ?



6. पुळषों में स्पर्म काउंट कम होने के कारण ?



7. पिता बनने के लिए कितने थुक्राण होने चाहये ?



8. क्या वीर्य में निल थुक्राण होने पर भी खुद के थुक्राण द्वारा पिता बना जा सकता है क्या ?



9. आई वी सेंटर का चुनाव कैसे करें ?



10. क्या पीटियड बंद होने के बाद भी प्रेग्नेंसी संभव है ?



11. आईवीएफ की सफलता किन-किन बातो पर निर्भर करती है ?



12. आईवीएफ की सफलता (IVF Success Rate) को कैसे बढ़ाया जाता है ?



13. I.V.F की सफलता दर कितनी है ?



14.आईवीएफ कैसे होता है ? आईवीएफ की पूरी प्रक्रिया क्या है ?



15.आई वी एफ में कितना खर्च आता है ?



16. किन महिलाओं के लेजर-असिस्टेड हैचिंग फायदेफंद है ?



17. क्या महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ फर्टिलिटी (Fertility) पर असर पड़ता है ?



18. ब्लास्टोसिस्ट कल्चर क्या होता है ?



19. क्या टी बी होने पर भी बच्चा होना संभव है ?



20. कैंसर के बाद माँ कैसे बने ?



21. महिला को AMH टेस्ट कब करवाना चाहये ?



22. क्या नसबंदी के बाद भी प्रेग्नेंसी हो सकती है ?



23. ट्यूब ब्लॉक के लिए आई वी एफ ही क्यों बेस्ट माना जाता है ?



केन्द्र पर पहली बार कब संपर्क करें ?

- ▶ प्रथम उपस्थिति पर आप माहवारी के किसी भी दिन आ सकते हैं। कृपया पति एवं पत्नी दोनों के आधार कार्ड (Aadhar Card) की फॉटोकॉपी (Xerox) साथ में जरूर लाएं।
- ▶ आप रविवार के अलावा किसी भी दिन आ सकते हैं।
- ▶ पति एवं पत्नी को पहली बार प्रातः 09:00 से सांय 04:00 बजे केन्द्र पर परामर्श के लिए उपस्थित होना है।
- ▶ (सभी जाँचों की रिपोर्ट आने के पश्चात) आपको आपकी समस्या तथा उसके वैज्ञानिक तरीके से निवारण के बारे में परामर्श दिया जाएगा।
- ▶ दूसरी बार केन्द्र पर कब उपस्थिति होना है तथा कितने दिन रुकना पड़ेगा इसकी जानकारी भी दी जायगी।
- ▶ अपने पुराने ईलाज की सभी रिपोर्ट अवश्य लाए। इन्हें विस्तृत तरह से हमारे चिकित्सक पढ़ने के उपरांत ही जो जाँचे आवश्यक होगी वह पुनः करवाएँगे।

SCAN HERE

अधिक जानकारी के लिए हमारे



चैनल को सब्सक्राईब करें।



उदयपुर



नीलकंठ फटिलिटी एण्ड वुमन केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.

खाता संख्या : 694005601702

ब्रांच : भुवाणा, उदयपुर

आई.एफ.एस.सी: ICIC0006940

जयपुर



नीलकंठ फटिलिटी एण्ड वुमन केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.

खाता संख्या: 694005602124

ब्रांच : भुवाणा, उदयपुर

आई.एफ.एस.सी: ICIC0006940

जोधपुर



नीलकंठ फटिलिटी एण्ड वुमन केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.

खाता संख्या: 694005602554

ब्रांच : भुवाणा, उदयपुर

आई.एफ.एस.सी: ICIC0006940

कोटा



नीलकंठ इनफटिलिटी सेन्टर

खाता संख्या : 694005500323

ब्रांच : भुवाणा, उदयपुर

आई.एफ.एस.सी: ICICI0006940

अजमेर



नीलकंठ फटिलिटी एण्ड वुमन केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.

खाता संख्या: 694005602426

ब्रांच : भुवाणा, उदयपुर

आई.एफ.एस.सी: ICIC0006940

अब आई.वी.एफ. ईलाज आसान किएतों
(बिना ब्याज) पर भी उपलब्ध (*No Cost EMI*)*

T&C Apply

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

SUCCESS ST^{ORY}IES





नीलकण्ठ आई.वी.एफ.

फर्टिलिटी एंड टेस्ट फ्यूब बेबी

यूनिट ऑफ़ नीलकण्ठ फर्टिलिटी एंड वुमन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड

नए मरीज अपॉइंटमेन्ट हेतु सम्पर्क करें

**09636328777, 09024219144,
06350613796 टोल फ्री: 18008896477**

उदयपुर

(NABH प्रमाणित)

10-11, डॉक्टर्स लेन, विद्युत विभाग के पास, सेलिब्रेशन मॉल के पीछे,
भुवाणा, उदयपुर - 313001, राजस्थान • संपर्क: +91 9057155155

निःसंतानता को समर्पित राजस्थान का पहला NABH प्रमाणित आई.वी.एफ. सेंटर

जयपुर

(NABH प्रमाणित)

प्लॉट नं. 196 गिरनार कॉलोनी, विशाल मेगामार्ट के सामने, गाँधी पथ, वैशाली
नगर, जयपुर - 302021, राजस्थान • संपर्क: +91 9509936375

निःसंतानता को समर्पित जयपुर का पहला NABH प्रमाणित आई.वी.एफ. सेंटर

जोधपुर

(NABH प्रमाणित)

प्लॉट नं. 21, १२्याम नगर, हाऊसिंग बोर्ड रोड़, पाल लिंक रोड़, देव नगर
सर्किल के पास, जोधपुर - 342008, राजस्थान • संपर्क: +91 9251687241

कोटा

(NABH प्रमाणित)

1 ठी 19, डॉ. बत्रा क्लीनिक के सामने, विज्ञान नगर डिसपेन्सरी के पास,
विज्ञान नगर, कोटा - 324005, राजस्थान • संपर्क: +91 7357008555

निःसंतानता को समर्पित हाड़ोती का पहला NABH प्रमाणित आई.वी.एफ. सेंटर

अजमेर

(NABH प्रमाणित)

110/3 A, गोखले मार्ग, सिविल लाइन्स, अजमेर - 305001 राजस्थान
• संपर्क: +91 9251687245

ईमेल: neelkanthpt.queries@gmail.com • वेब: www.neelkanthivfc.com

Facebook: www.facebook.com/NeelkanthFertilityHospital Instagram: www.instagram.com/NeelkanthFertilityHospital
YouTube: www.youtube.com/neelkanthfertilitycenter

धूप लिंग परीक्षण करवाना एक जग्न्य अपराध है तथा इसकी शिकायत 104 टोल फ्री पर की जा सकती है।